पिछले 5 महीनों में चीनी 30% से ज्यादा महंगी हुई है

'लोकल मार्केट में दाम बढ़ने से कम होगा शुगर एक्सपोर्ट'

[एजेंसियां | मुंबई & नई दिल्ली]

भारत में चीनी की कीमतों में बढ़ोतरी का रुझान दिख रहा है। इसका मतलब यह है कि दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा शुगर सप्लायर भारत घरेलू बाजार में ज्यादा चीनी बेचेगा और विदेश में कम भेजेगा। ईडीएंडएफ मैन होल्डिंग्स एंड ओलाम इंटरनेशनल ने यह अनुमान जताया है। उसका कहना है कि भारत सरकार ने जो आदेश दिया है, उसके 50 पर्सेंट से भी कम चीनी भारत से निर्यात हो सकती है।

सॉफ्ट कमोडिटीज ट्रेडर ग्रुप सॉपेक्स के एनालिस्ट जॉन स्टैंसफील्ड के अनुसार, छह महीने पहले इंडियन एक्सपोर्ट्स के लिए मार्केट में बेयरिश रुझान था और अब अनुमानों को और कम किया जा रहा है। पिछले पांच महीनों में देश में चीनी के दाम 30% से ज्यादा चढ़े हैं। ऐसा मौजूदा फसल के पहले के अनुमान के मुकाबले कम रहने की आशंका के चलते हुआ है। ओलाम के एनालिस्ट जैक हैनॉन ने कहा कि कीमत बढ़ने का मतलब यह है कि भारत की मिलें लोकल मार्केट में चीनी बेचकर ज्यादा पैसा बनाएंगी। ओलाम ने कहा, 'एक्सपोर्ट्स का मामला पॉलिसी के बजाय कीमत से ज्यादा प्रभावित होता है। हमें नहीं लगता कि वर्ल्ड मार्केट के लिए इंडिया अब कोई प्रासंगिक फैक्टर रह गया है।'

मोदी सरकार ने सितंबर में मिलों को आदेश दिया था कि वे 2015-16 सीजन में अनिवार्य रूप से 40 लाख टन चीनी निर्यात करें। यह सीजन अक्टूबर से शुरू हुआ। सरकार ने शिपमेंट्स पर सब्सिडी भी ऑफर की। हालांकि ईडीएंडएफ मैन के रिसर्च हेड कोना हक का अनुमान है कि तय मात्रा की आधी से भी कम चीनी निर्यात हो सकेगी।

अलनीनो के प्रभाव में मौसम शुष्क होने से गन्ने की खेती प्रभावित हो रही है और शुगर मिल्स एसोसिएशन ने 2015-16 के लिए अनुमान में 10 लाख टन की कमी कर दी है।

चावल खरीद 25% बढ़कर 2.44 करोड़ टन

2015-16 मार्केटिंग ईयर में अब तक सरकार की ओर से चावल खरीद 25 पर्सेंट बढ़कर 2.44 करोड़ टन हो चुकी है। खराब मॉनसून के चलते चावल की पैदावार कम होने की आशंका जताई जा रही थी। फूड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया और सरकारी एजेंसियां यह खरीद करती है। केंद्र सरकार ने अक्टूबर से शुरू हुए वर्तमान मार्केटिंग ईयर के लिए 3 करोड़ टन चावल खरीद का लक्ष्य रखा है। इन एजेंसियों ने सालभर पहले की इसी अवधि में 1.96 करोड़ टन चावल खरीदा था और तब पूरे साल के लिए कुल 3.2 करोड़ टन खरीद हुई थी।

अभी पंजाब और हरियाणा में खरीद प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। वहीं उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में यह जारी है। सरकार के ताजा आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश में चावल खरीद इस साल अब तक बढ़कर 21.5 लाख टन रही है, जो सालभर पहले की इसी अवधि में 11.5 लाख टन थी। छत्तीसगढ़ में खरीद 28.6 लाख टन से बढ़कर 37.2 लाख टन और आंध्र प्रदेश में 10 लाख टन से बढ़कर अब तक 19.2 लाख टन हो चुकी है।

● **एनालिस्ट्स ने** कहा, सरकारी आदेश में तय मात्रा के 50% से भी कम चीनी निर्यात करेंगी भारतीय मिलें